पंचम अध्याय

शोध सार, निष्कर्ष एवं सुझाव

पंचम अध्याय

शोध सार, निष्कर्ष एवं सुझाव

5.1 प्रस्तावना :

शिक्षा सामाजिक समस्याओं को समझने एवं सामाजिक तनावों में परिवर्तन करने का एक महत्वपूर्ण साधन है। शिक्षा व्यक्ति की क्षमताओं को साकार रूप प्रदान करते हुए समाज के सामने उनकी स्वाभाविक योग्यताओं, रूचियों, सामंजस्यशीलता के स्तर को प्रकट करती है। गत वर्षो में शिक्षा विकास हेतु अथाक प्रयासों के बावजूद भी शिक्षा के ढ़ॉचे में अधिक परिवर्तन ना हो सका। आज भी बालकों की अपेक्षा बालिकाओं का शैक्षिक स्तर न्यूनतम है। साक्षरता के न्यूनतम स्तर को उन्नत करने हेतु शिक्षा के सार्वभौमिकरण का लक्ष्य रखा गया है। जिसमें बालिका शिक्षा के उत्थान हेतु "सर्व शिक्षा अभियान" अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निर्वाह कर रहा हैं। बालिकाओं के शैक्षणिक स्तर को उन्नत करने हेतु कई योजनाएँ/कार्यक्रम सर्व शिक्षा अभियान के निमित्त चलाएँ जा रहे हैं। जिसमें 'कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय' योजना महत्वपूर्ण भूमिका निर्वाहित कर रही है। बालिका शिक्षा के सार्वभौमिकरण के संदर्भ में सर्व शिक्षा अभियान के अंतर्गत संचालित प्रमुख कार्यक्रमों का प्रभाव बालिकाओं का विद्यालय में नामांकन, ठहराव, शिक्षा में गुणवत्ता जैसे प्रमुख लक्ष्यों की पूर्ति में सहायक हैं।

5.2 शोध कथन :

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में निवासरत् बालिकाओं के संवेगात्मक बुद्धि एवं समायोजन का अध्ययन

5.3. संक्षेपिका :

संपूर्ण शोध प्रबंध को पांच अध्यायों में विभक्त किया गया है। प्रथम अध्याय में शोध परिचय, द्वितीय अध्याय में संबंधित साहित्य का

पुनरावलोकन, तृतीय अध्याय में प्रयुक्त प्रविधि की रूपरेखा तथा चतुर्थ अध्याय में तथ्यों का विश्लेषण कर पंचम अध्याय में शोध सार, निष्कर्ष एवं सुझाव तथा अंत में संदर्भ ग्रंथ एवं परिशिष्ट में उपयोग किये गये उपकरण को इंगित किया गया है।

5.3.1. शोध प्रश्न :

1. कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में निवासरत् बालिकाओं का संवेगात्मक बुद्धिस्तर एवं समायोजनस्तर कैसा है?
2. क्या उच्च, मध्यम एवं निम्न स्तर की संवेगात्मक बुद्धिस्तर और समायोजनस्तर वाली बालिकाओं के समूह की उपलब्धि में सार्थक अंतर है?
3. क्या कक्षा 5, 6 और 7 की बालिकाओं की संवेगात्मक बुद्धि, समायोजन एवं उपलब्धि में सार्थक अंतर है?
4. क्या के.जी.बी.वी.-1 और के.जी.बी.वी.-2 में निवासरत् बालिकाओं की संवेगात्मक बुद्धि, समायोजन एवं उपलब्धि में सार्थक अंतर है?
5. क्या कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में निवासरत् बालिकाओं की संवेगात्मक बुद्धि, समायोजन एवं उपलब्धि में सार्थक संबंध है?

5.3.2. शोध अध्ययन की परिकल्पनाएँ :

1. उच्च, मध्यम एवं निम्न संवेगात्मक बुद्धिस्तर की बालिकाओं के समूहों की उपलब्धि में सार्थक अंतर नहीं है।
2. उच्च, मध्यम एवं निम्न समायोजनस्तर की बालिकाओं के समूहों की उपलब्धि में सार्थक अंतर नहीं है।
3. कक्षा 5,6 और 7 की बालिकाओं की संवेगात्मक बुद्धि में सार्थक अंतर नहीं है।
4. कक्षा 5,6 और 7 की बालिकाओं के समायोजन में सार्थक अंतर नहीं है।

5. कक्षा 5,6 और 7 की बालिकाओं की उपलब्धि में सार्थक *अंतर नहीं है।*
6. के.जी.बी.वी.-1 और के.जी.बी.वी.-2 में निवासरत् बालिकाओं की संवेगात्मक बुद्धि में सार्थक अंतर नहीं है।
7. के.जी.बी.वी.-1 और के.जी.बी.वी.-2 में निवासरत् बालिकाओं के समायोजन में सार्थक अंतर नहीं है।
8. के.जी.बी.वी.-1 और के.जी.बी.वी.-2 में निवासरत् बालिकाओं की उपलब्धि में सार्थक अंतर नहीं है।
9. कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में निवासरत् बालिकाओं की संवेगात्मक बुद्धि में सार्थक संबंध नहीं है।
10. कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में निवासरत् बालिकाओं के समायोजन में सार्थक संबंध नहीं है।
11. कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में निवासरत् बालिकाओं के उपलब्धि में सार्थक संबंध नहीं है।

5.3.3. अध्ययन की सीमा :

1. लघुशोध कार्य को गुजरात राज्य के भावनगर जिले तक सीमित रखा गया है।
2. शोधकार्य 'कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय' में निवासरत बालिकाओं तक ही सीमित है।
3. लघुशोधकार्य बालिकाओं के संवेगात्मक बुद्धि तथा समायोजन क्षमता के आंकलन तक सीमित है।
4. लघुशोध कार्य बालिकाओं के खुशी, डर, गुस्सा, दुःख, हेरानगी, शर्म, चिंता आदि प्रमुख संवेग तक सीमित है।
5. लघुशोध कार्य में विद्यालय, परिवार, समवय समूह के साथ समायोजन तक सीमित है।

6. संवेगात्मक बुद्धि परीक्षण में विभिन्न विभागों कों अलग न लेकर समग्र बुद्धिस्तर देखा है।
7. समायोजन परीक्षण में विभिन्न विभागों कों अलग न लेकर समग्र समायोजन देखा है।

5.3.4. प्रयुक्त चर :

➢ स्वतंत्र चर – 1. संवेगात्मक बुद्धि

2. समायोजन

➢ आश्रित चर – 1. बालिकाओं की शैक्षणिक उपलब्धि

5.3.5. उपकरण :

प्रस्तुत शोधकार्य में आँकड़ों के संग्रहण हेतु निम्नांकित उपकरण का प्रयोग किया गया–

(I) Multi factor Emotinal Intelligence (MEIS) 2005 by Vinod kumar Shanwal (for 8 to 12) years.

(II) Children Adjustment Scale by Ragini Dubey age (6 to 12) .

5.3.6. न्यादर्श का चयन :

शोधकर्ता ने शोधकार्य में वर्ष 2004 से गुजरात राज्य के 26 जिले में 'सर्व शिक्षा अभियान' (SSA) योजना के अंतर्गत क्रियान्वित 'कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय' में से भावनगर जिले को जनसंख्या (Population) चुना है। भावनगर जिले के 11 तहसिल में जितने 'कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय' है उन सभी विद्यालय को चुना गया। उन विद्यालयों में से बालिकाओं का चयन यादृच्छिक प्रतिचयन विधि से किया गया। जिसका वर्णन तालिका क. 3.3.1 में वर्णित है।

5.3.7. प्रदत्तों का संग्रहण :

प्रदत्तों का संग्रहण हेतु शोधकर्ता ने क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल से अनुमति प्राप्त की। इस के बाद शोधार्थी ने गुजरात के भावनगर जिले में

जाकर चयनित 'कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों' के प्राचार्य, बी.आर.सी. और बालमित्र (बालसखी) को अपने शोध के विषय में निवेदन करते हुए संपूर्ण जानकारी से अवगत कराया। इसके पश्चात् शोधार्थी ने छात्राओं के साथ वार्तालाप किया। तत्पश्चात् प्रदत्त संकलन के लिए चुने मानक परीक्षणों के द्वारा छात्राओं के पास से प्रदत्तों का संग्रहण किया गया। उसके बाद प्राचार्य की मंजूरी से कक्षा पांच, छः और सात के प्रधान शिक्षकों के पास से न्यादर्श के लिए चुनी गई छात्राओं के अर्धवार्षिक परीक्षा के सभी विषय के गुण लिए गये। जिसका उपयोग शोधकार्य में 'उपलब्धि चर' के रूप में किया गया।

5.3.8. प्रयुक्त सांख्यिकी :

प्रदत्तों के विश्लेषण हेतु शोधकर्ता ने निम्नलिखित सांख्यिकीय विधियों का प्रयोग किया।

- मध्यमान
- मानक विचलन
- सहसंबंध गुणांक
- 'टी' मूल्य
- 'एफ' मूल्य

5.4. निष्कर्ष :

आँकड़ों के विश्लेषण से परिणाम प्राप्त हुये परिणामों से यह निष्कर्ष निकलता है कि, एक ही प्रकार के विद्यालय में निवासरत् बालिकाओं की संवेगात्मक बुद्धि, समायोजन अलग-अलग है। उसी प्रकार उच्च, मध्यम एवं निम्न संवेगात्मक बुद्धिस्तर एवं समायोजन स्तर की बालिकाओं की उपलब्धि में भी सार्थक अंतर है। उसी प्रकार प्राप्त परिणाम में संवेगात्मक बुद्धि एवं समायोजन का उपलब्धि के साथ सार्थक संबंध दर्शाता है। यानि उच्च संवेगात्मक बुद्धि एवं समायोजन वाले बालिकाओं की उपलब्धि भी उच्च है। जबकि, निम्न संवेगात्मक बुद्धिस्तर एवं निम्न समायोजन स्तर की बालिकाओं की उपलब्धि निम्न है।

विभिन्न दो कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में निवासरत् बालिकाओं के समायोजन एवं उपलब्धि में सार्थक अंतर दिखाई देता है, उसके मुख्य कारण शिक्षकों की असमान संख्या, विद्यालय की भौतिक स्थिति तथा विद्यालय के आस-पास का परिवेश और भौगोलिक क्षेत्र भी हो सकते है। कक्षा 5, 6 और 7 की संवेगात्मक बुद्धि, समायोजन एवं उपलब्धि में जो अंतर दिखता है उसका कारण उम्र, समझशक्ति आदि हो सकते है।

5.5. शैक्षणिक महत्व :

प्रस्तुत शोध कार्य के द्वारा कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में निवासरत् बालिकाओं की उपलब्धि का अध्ययन संवेगात्मक बुद्धि एवं समायोजन के संदर्भ में किया है। यानि संवेगात्मक बुद्धि और उपलब्धि में संबंध है कि नहीं, समायोजन और उपलब्धि में संबंध है कि नहीं, यह शोधकर्ता ने जानने का प्रयास किया है। शोध प्राप्त आंकड़ों के विश्लेषण से यह निष्कर्ष निकलता है कि, उपलब्धि का संवेगात्मक बुद्धि और समायोजन में सार्थक संबंध है। शोध से प्राप्त परिणामों की सहायता से बालिकाओं को भविष्य के लिए सही मार्गदर्शन दे सकते है। बालिकाओं को विद्यालय, परिवार एवं अन्य बालिकाओं से समायोजन में आने वाली कठिनाईयों को दूर कर विकास का नया मार्ग दिखा सकते है। संवेगात्मक रूप से अस्वस्थ बालिकाओं की समस्या को जानने के लिए उसके साथ परामर्श कर योग्य दिशादर्शन कर सकते है।

आज के आधुनिक युग में जहाँ शिक्षा के क्षेत्र में इतनी प्रतियोगिता (स्पर्धा) है वहाँ ग्रामीण क्षेत्र एवं पिछड़ी जाति की लड़कियों को समाज में अपना स्थान बनाने के लिए स्थिर संवेगात्मक बुद्धि और अपने आस-पास के वातावरण से योग्य समायोजन होना जरूरी है। यह शोध कार्य बालिकाओं की संवेगात्मक बुद्धि, समायोजन एवं उपलब्धि में विकास करने के लिए महत्वपूर्ण है।

5.6. सुझाव :

5.6.1. कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय के लिए सुझाव :

1. विद्यालय में नामांकन के लिए बालिकाओं का सही चयन होना चाहिए।
2. विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाय जिसमें बालिकाएँ अपने विचार एवं अपनी विशिष्ट शक्ति का विकास कर सकें।
3. विद्यालय में से समय-समय पर शैक्षिक पर्यटन का आयोजन हो जिससे बालिकाएँ शिक्षक से एवं आपस में एक दूसरे के विचारों को समझ सकें तथा मनोरंजन और ज्ञान भी प्राप्त कर सकें।
4. विद्यालय में मनोरंजन के साधन एवं खेल खूद के साधन होने चाहिए।
5. विद्यालय में विभिन्न ऐसे कार्यक्रम होने चाहिए जिससे बालिकाएँ एक दूसरे की सहायता करना तथा एक दूसरे के भावों को समझना सीखे।
6. विद्यालय का वातावरण मैत्रीपूर्ण होना चाहिए।
7. सप्ताह में एक दिन ऐसा कार्यक्रम होना चाहिए जिसमें सभी बालिकाएँ अपने विचार एवं सुझाव मुक्त मन से प्रकट कर सके।

5.6.2. शिक्षकों के लिए सुझाव :

1. कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में सरक्षिता/शिक्षिका एवं अन्य शिक्षिकाओं को बालिकाओं के साथ स्नेहपूर्ण व्यवहार रखना चाहिए।
2. शिक्षक बाल मनोविज्ञान को जानने वाले तथा बालिकाओं के व्यक्तिगत समस्या को समझने वाले होने चाहिए।
3. शिक्षकों को बालिकाओ के आंतरिक सामाजिक व्यवहार को समझना चाहिए।
4. शिक्षकों को बालिका के अभिभावक से मिलकर बालिकाओं के व्यवहार वर्तन के बारे में जानना एवं समझाना चाहिए।

5.6.3. शासन हेतु सुझाव :

1. कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों की संख्या में बढ़ोती करनी चाहिए।
2. विद्यालय में योग्य प्रशिक्षित शिक्षक की नियुक्ति करनी चाहिए।

3. विद्यालय के भौतिक सुविधाओं को बढ़ाना और समय-समय पर सुधार करना चाहिए।
4. कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की बालिकाओं को आगे पढ़ने के लिए प्रोत्साहक ईनाम, छात्रवृत्ति देनी चाहिए।
5. अन्य सरकारी माध्यमिक विद्यालय में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की बालिकाओं के लिए आरक्षण रखना चाहिए।
6. बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि की जाँच करती रहनी चाहिए।
7. विद्यालय ऐसे विस्तार में बनाया जाय जहाँ ज्यादा से ज्यादा लोग विद्यालय का उपयोग कर सकें। विद्यालय जिस विस्तार में हो वह सामाजिक रूप से स्वस्थ और अंशतः विकसित हो।
8. बालिकाओं के सर्वांगी विकास के लिए जिला/संभाग/राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन करना चाहिए।

5.6.4. भावी शोध हेतु सुझाव :

1. सामान्य विद्यालय एवं कस्तूरबा गांधी विद्यालय में अध्ययनरत् बालिकाओं के संवेगात्मक बुद्धि एवं समायोजन का अध्ययन।
2. कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय के उद्देश्यों का विश्लेषणात्मक अध्ययन।
3. छात्रवासी बालिका एवं गैर छात्रवासी बालिकाओं के संवेगात्मक बुद्धि एवं समायोजन का अध्ययन।
4. कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय और स्त्री शिक्षा- एक अध्ययन।
5. कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय के क्रियाकलाप और बालिकओं का व्यक्तित्व विकास।